ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 10

भारत और समकालीन विश्व - 2

अध्याय - 1

यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय

भाग - 6

Pritesh Joshi

ipca
A dose of life

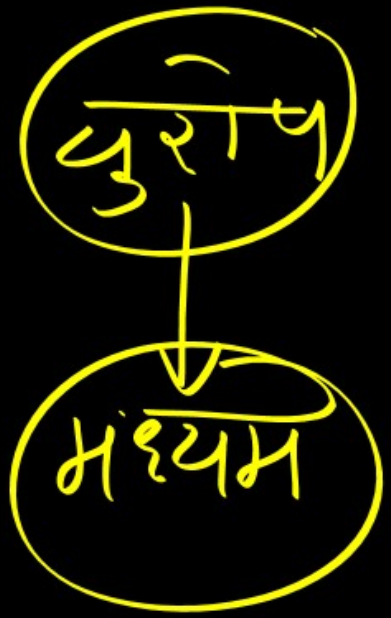

1848 : उदारवादियों की

- यूरोप के वे भाग जहां स्वतंत्र राष्ट्र-राज्य अस्तित्व में नहीं आये थे। जैसे - जर्मनी, इटली, पोलैंड, ऑस्ट्रिया -हंगरी साम्राज्य, के उदारवादी मध्यमवर्गों के स्त्री पुरूषों ने संविधान की मांग को राष्ट्रीय एकीकरण की मांग से जोड़ दिया।
- उन्होंने राष्ट्र-राज्य के निर्माण की माँग भी की। जिसमें संविधान, प्रेस की स्वतंत्रता और संगठन बनाने की आज़ादी की मांग थी।

जर्मनी :-

- इसके लिए जर्मन इलाक़ों में राजनीतिक संगठनों ने एक जर्मन-नेशनल एसेंबली के पक्ष में मतदान का फ़ैसला लेकर फ्रेकफर्ट शहर में मतदान किया।

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

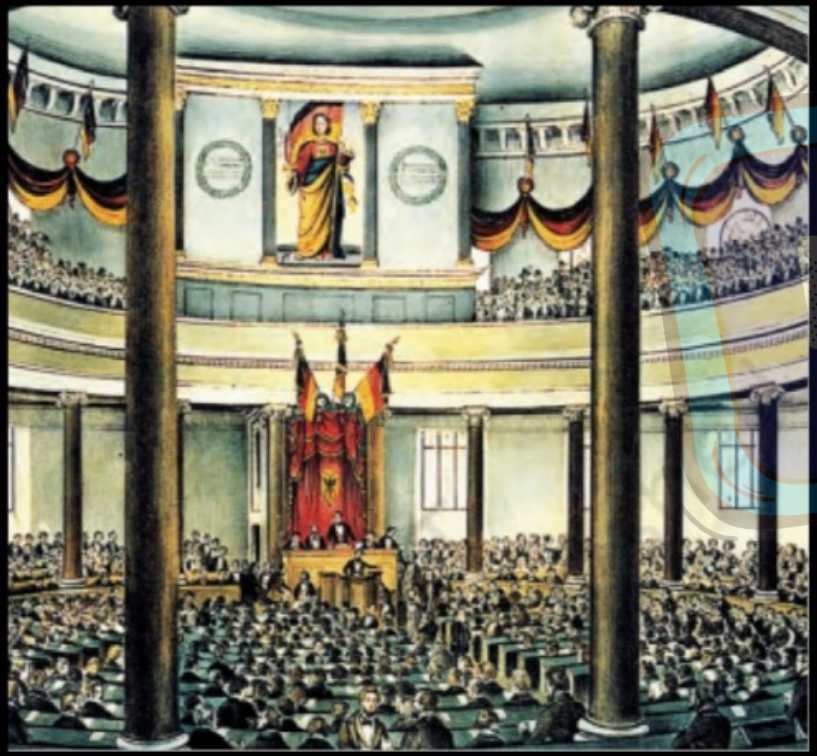

- 18 मई 1848 को, 831 निर्वाचित प्रतिनिधियों ने फ्रैंकफर्ट संसद में जोकि सेंट पॉल चर्च में आयोजित हुई, में अपना स्थान ग्रहण किया।
- उन्होंने जर्मन राष्ट्र के लिए एक संविधान का प्रारूप तैयार किया।
- इस राष्ट्र की अध्यक्षता एक ऐसे राजा को सौंपी गई जिसे संसद के अधीन रहना था। जब प्रतिनिधियों ने प्रशा के राजा फ्रेडरीख विल्हेम चतुर्थ को ताज पहनाने की पेशकश की तो उसने उसे अस्वीकार कर उन राजाओं का साथ दिया जो निर्वाचित सभा के विरोधी थे।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

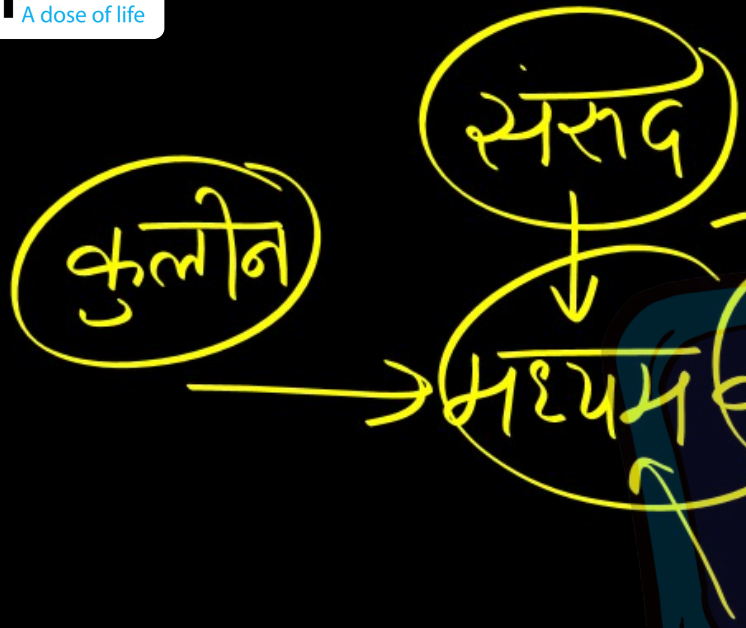

- एक तरफ कुलीन वर्ग और सेना का विरोध बढ़ गया, तो दूसरी ओर मज़दूरों और कारीगरों की माँगों का विरोध करने के कारण मध्यम वर्ग भी अपना समर्थन खो बैठे, जिनका कि संसद में प्रभाव अधिक था।
- अंत में सैनिकों को बुलाया गया और एसेंबली भंग की गई।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आंदोलन में महिलाऐं :-

- उदारवादी आंदोलन में महिलाओं को राजनीतिक अधिकार प्रदान करने का मुद्दा विवादास्पद था
- हालाँकि आंदोलन में वर्षों से बड़ी संख्या में महिलाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया था।
- महिलाओं ने अपने राजनीतिक संगठन स्थापित किए, अखबार शुरू किए और राजनीतिक बैठकों व प्रदर्शनों में शिरकत की।
- इन सबके बावजूद उन्हें एसेंबली चुनाव के दौरान मताधिकार से वंचित रखा गया।
- जब सेंट पॉल चर्च में फ्रेंकफर्ट संसद की सभा आयोजित की गयी तो महिलाओं को केवल प्रेक्षकों की हैसियत से दर्शक दीर्घा में खड़े होने दिया गया।

परिणाम - राजशादी - रियायते देनी पडी.
भूदासत्व, बंधुआ मज़इरी

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

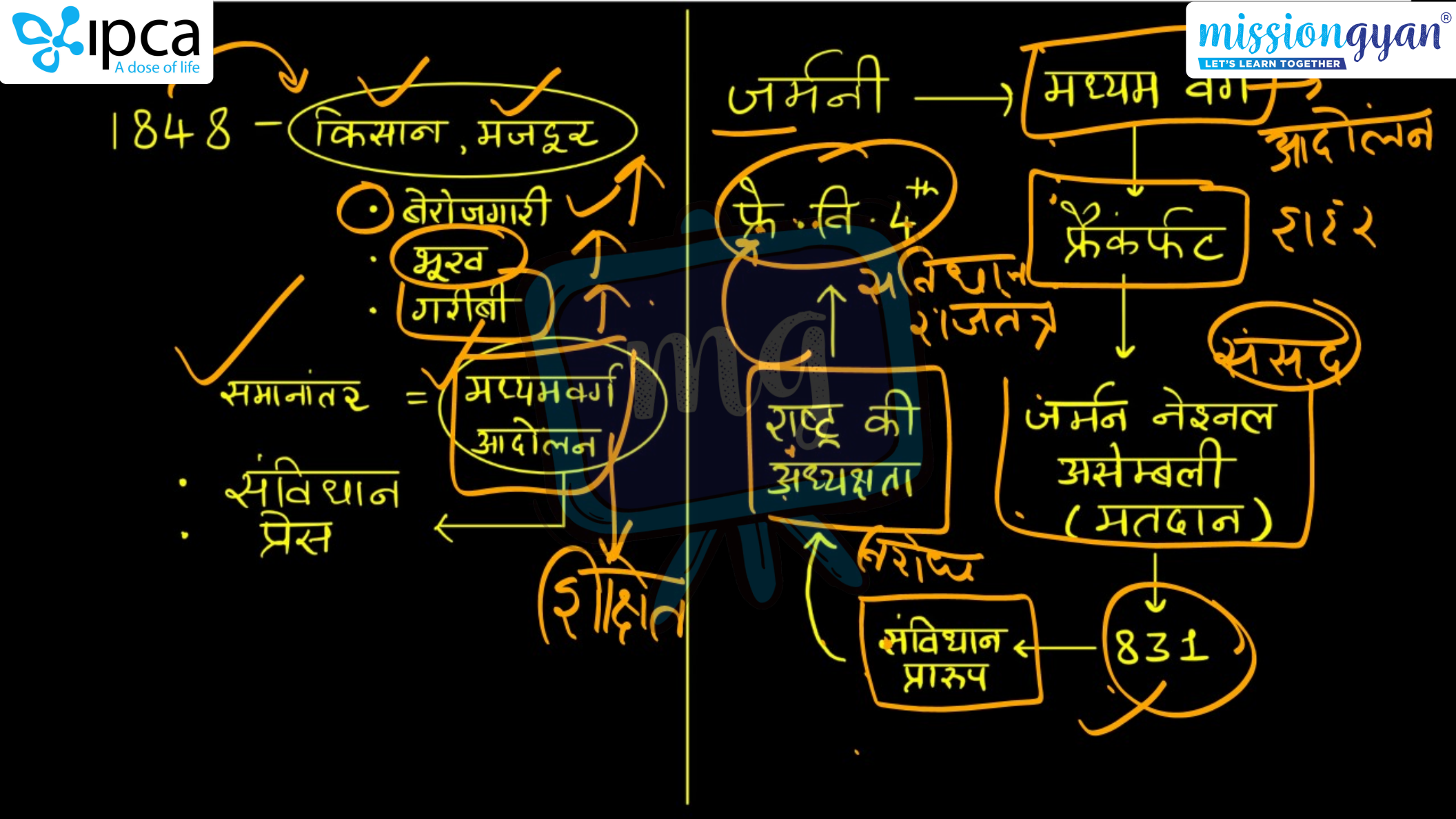

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. मध्यमवर्गीय आंदोलनों में महिलाओं का क्या योगदान था?



ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

एकीकरण।

जर्मनी
इटली
राष्ट्र - राज्य

जर्मनी–क्या सेना राष्ट्र की निर्माता हो सकती है?

- 1848 के बाद यूरोप में राष्ट्रवादियों का जनतंत्र और क्रांति से अलगाव होने लगा।
- राज्य की सत्ता को बढ़ाने और पूरे यूरोप पर प्रभुत्व हासिल करने के लिए शासकों ने अक्सर राष्ट्रवादी भावनाओं का इस्तेमाल किया।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जर्मनी

राष्ट्रवादी भावनाऐं मध्य वर्गीय जर्मन लोगों में काफी ज्यादा थीं और उन्होंने ही 1848 में जर्मन महासंघ के विभिन्न इलाकों को जोडकर एक निर्वाचित संसद द्वारा राष्ट्र-राज्य बनाने का प्रयास किया था।

- मगर राष्ट्र निर्माण की उनकी यह पहल राजशाही और फ़ौज की ताक़त ने मिलकर दबा दी।
- इसके पश्चात प्रशा ने राष्ट्रीय एकीकरण के आंदोलन का नेतृत्व सँभाल लिया।
- प्रशा के प्रमुख मंत्री ऑटो वॉन बिस्मार्क इस प्रक्रिया का जनक था
- बिस्मार्क ने प्रशा की सेना और नौकरशाही की मदद ली।

राष्ट्रवादी
↳ एकीकरण
↳ राजशाही

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- 7 वर्ष के दौरान
  - (1) डेन्मार्क (1864 ई.)
  - (2) ऑस्ट्रिया (1866 ई.)
  - (3) फ्रांस (1871 ई.)

  से तीन युद्धों में प्रशा की जीत हुई और एकीकरण की प्रक्रिया पूरी हुई।
- आस्ट्रिया सदैव से ही जर्मन एकीकरण विरोधी था तथा जर्मनी के लिए फ्रांस भी एक खतरा बना रहता थ।
- बिस्मार्क ने सबसे पहले ऑस्ट्रिया को कूटनीतिक चाल से मित्र बनाकर दोनों ने साथ मिलकर 1864 में डेनमार्क को हराया।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- बिस्मार्क ने सबसे पहले ऑस्ट्रिया को कूटनीतिक चाल से मित्र बनाकर दोनो ने साथ मिलकर 1864 में डेनमार्क को हराया।



- युद्ध में प्राप्त उपनिवेशों की आड़ में 1866 में ऑस्ट्रिया से युद्ध कर उसे हराया।
- अंत में 1871 में सेडोवा में फ्रांस को पराजित किया।
- जनवरी 1871 में, वर्साय में हुए एक समारोह में प्रशा के राजा विलियम प्रथम को जर्मनी का सम्राट घोषित किया गया।
- 18 जनवरी 1871 की सुबह बेहद ठंडी थी।
- जर्मन राज्यों के राजकुमारों, सेना के प्रतिनिधियों और प्रमुख मंत्री ऑटो वॉन बिस्मार्क तथा प्रशा के महत्त्वपूर्ण मंत्रियों की एक बैठक वर्साय के महल के बेहद ठंडे शीशमहल (Hall of mirrors- हॉल ऑफ मिरर्स) में हुई।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- इस सभा ने प्रशा के काइज़र विलियम प्रथम के नेतृत्व में नए जर्मन साम्राज्य की घोषणा की।
- जर्मनी में राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया ने प्रशा राज्य की शक्ति ने अपने प्रभुत्व को दर्शाया था।
- इस नए राज्य में मुद्रा, बैंकिंग और कानूनी तथा न्यायिक व्यवस्थाओं के आधुनिकीकरण पर काफ़ी ज़ोर दिया गया।
- प्रशा द्वारा उठाए क़दम और उसकी कार्रवाइयाँ बाक़ी जर्मनी के लिए अकसर एक मॉडल बने।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मध्यमवर्ग आंदोलन
1848

fail

प्रशा

राष्ट्रीय एकीकरण

एकीकरण

बिसमार्क



A + P

आधुनिकरण

जर्मन साम्राज्य

7 साल

युद्ध

न्यायिक

मुद्रा

कानूनी

बैंकिंग

डेनमार्क

ऑ

1871

फ्रांस



लोहा महत्व

वर्साय महल

18 जनवरी 1871

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. बिसमार्क के नेतृत्व मे जर्मनी का एकीकरण। किस प्रकार हुआ?



ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

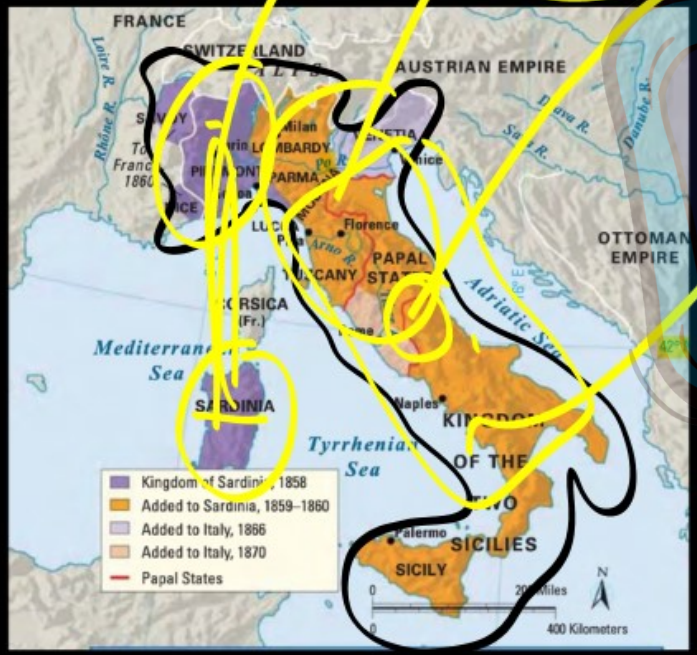

इटली

- जर्मनी के समान इटली में भी राजनीतिक विखंडन का एक लंबा इतिहास था।
- इटली अनेक वंशानुगत राज्यों तथा बहु-राष्ट्रीय हैब्सबर्ग साम्राज्य में बिखरा हुआ था।
- 19 वीं सदी के मध्य में इटली सात राज्यों में बँटा हुआ था।
- इनमें से केवल एक राज्य –सार्डिनिया पीडमॉण्ट में एक इतालवी राजघराने का शासन था।
- उत्तरी भाग ऑस्ट्रियाई हैब्सबर्गों के अधीन था, मध्य इलाकों पर पोप का शासन था और दक्षिणी क्षेत्र स्पेन के बूर्बों राजाओं के अधीन थे।
- इतालवी भाषा भी अभी सबकी नहीं बन पाई थी और उसके विविध क्षेत्रीय और स्थानीय रूप मौजूद थे।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

एकीकरण।

VE-II

- 1830 के दशक में ज्युसेपे मेत्सिनी ने एकीकृत इतालवी गणराज्य के लिए एक सुविचारित कार्यक्रम प्रस्तुत करने की कोशिश की थी।
- मेत्सिनी ने अपने उद्देश्यों के प्रसार के लिए यंग इटली नामक एक गुप्त संगठन भी बनाया था।
- 1831 और 1848 में क्रांतिकारियों द्वारा किये गये विद्रोह असफल रहे तथा अंत में इतालवी राज्यों को जोड़ने की ज़िम्मेदारी सार्डिनिया-पीडमॉण्ट के शासक विक्टर इमेनुएल द्वितीय पर आ गई।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- प्रमुख मंत्री प्रमुख कावूर जिसने इटली के प्रदेशों को एकीकृत करने वाले आंदोलन का नेतृत्व किया, वह न तो एक क्रांतिकारी था और न ही जनतंत्र में विश्वास रखने वाला।
- कावूर इतालवी अभिजात वर्ग के तमाम अमीर और शिक्षित सदस्यों की तरह इतालवी भाषा से कहीं बेहतर फ्रेंच बोलता था। कावूर ने इटली की समस्या को अंतर्राष्ट्रीय समस्या बना दिया।
- 1859 में कावूर ने फ्रांस से सार्डिनिया-पीडमॉण्ट की एक चतुर कूटनीतिक संधि की, जिससे वह 1859 में ऑस्ट्रियाई बलों को हरा पाने में कामयाब हुआ।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

एकीकरण

- नियमित सैनिकों के अलावा ज्युसेपे गैरीबॉल्डी के नेतृत्व में भारी संख्या में सशस्त्र स्वयंसेवकों ने इस युद्ध में हिस्सा लिया।
- 1860 में वे दक्षिण इटली और दो सिसिलियों के राज्य में प्रवेश कर गए और स्पेनी शासकों को हटाने के लिए स्थानीय किसानों का समर्थन पाने में सफल रहे।
- 1861 में विक्टर इमेनुएल द्वितीय को एकीकृत इटली का राजा घोषित किया गया।
- मगर, इटली के अधिकांश निवासी जिनमें निरक्षरता की दर काफ़ी ऊँची थी, अभी भी उदारवादी-राष्ट्रवादी विचारधारा से अनजान थे।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- दक्षिणी इटली में जिन आम किसानों ने गैरीबॉल्डी को समर्थन दिया था, उन्होंने इटालिया (Italia) के बारे में कभी सुना ही नहीं था और वे मानते थे कि ला टालिया (La Talia) विक्टर इमेनुएल की पत्नी थी।
- अंततः हम कह सकते हैं कि जब 1870 में फ्रांस की सेनाऐं रोम से हट गई और विक्टर इमेनुएल द्वितीय की सेनाओं ने रोम पर कब्जा कर लिया तब 1870 में इटली का एकीकरण पूर्ण हुआ।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

इटली → 7 राज्यों तिथाजित

पोप
Spain

भाषा (सबकी x)

1831 व 1848 = क्रांतिकारी Fail X

जिम्मेदारी = इमैनुयल II

(साडिनिया - पीडमॉण्ट)

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कवुर



→ मुख्यमंत्री

→ साधिजात वर्ग

1859 फ्रांस + S.P

संधि

स्पेन

ऑस्ट्रिया → हराया

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1859 –



सशस्त्र स्वयंसेवकों ने युद्ध में हिस्सा

↓

1860

↓

सिसिलिया + दक्षिण इटली ← स्पेन × ↑

II
विक्टर इमैनुयल

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. इटली के एकीकरण में किन बाधाओं को देखा गया?

